गाज़ीपुर-उ.प्र.। जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की जिला संचालिका ब्र.कु. निर्मला दीदी। साथ हैं मऊ सेवाकेंद्र से ब्र.कु. पूनम बहन।

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू। मध्य प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय पाण्डव भवन में चारों धाम का अवलोकन करने पहुंची। इस दौरान उनके साथ ज्ञानचर्चा करते हुए ब्र.कु. शशिकांत भाई। साथ में उपस्थित हैं मंत्री उइके जी की सुपुत्री।

भवानीगढ़-पंजाब। डॉ. बलवीर सिंह,स्वास्थ्य राज्यमंत्री के साथ ईश्वरीय ज्ञानचर्चा के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ हैं ब्रह्माकुमारी बहन तथा अन्य।

दिल्ली-लोधी रोड। डॉ. मृत्युंजय महापात्र,महानिदेशक,भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ ज्ञान चर्चा के उपरांत उपस्थित हैं ब्र.कु. पीयूष भाई व ब्र.कु. दीपिका बहन।

राजगीर-नालंदा(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में राजगीर रेलवे स्टेशन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कार्यालय, राजकीय उत्क्रमिक मध्य विद्यालय, गांधी आश्रम, शिव मंदिर, पेट्रोल पंप के पास प्रखंड शिक्षा विभाग बीआरसी कार्यालय राजगीर आदि विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान राजगीर नालंदा स्टेशन मास्टर चंद्र भूषण सिंह, पुरातत्व सर्वेक्षण कार्यालय के संजय कुमार, डॉ. अजय कुमार, मन्नू भाई, अमित कुमार, प्रेमजीत कुमार, रिमझिम बहन, अमरेश भाई तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

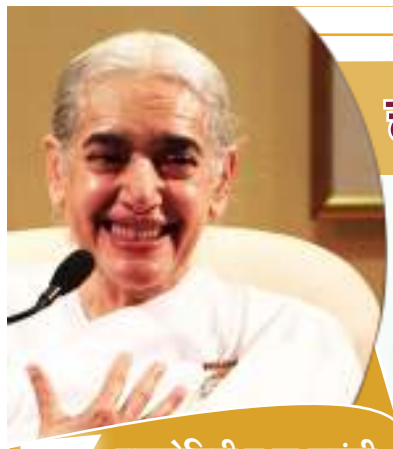

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

चेक करें... कहाँ हमारी आसक्ति तो नहीं...!

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

हमारे संस्कार अनुसार हम क्या सोच रहे हैं, क्या कर रहे हैं और क्या हम आगे बढ़ रहे हैं या कहां हम किस बात में अटक गये हैं। तो हम ये सदा चेकिंग करते रहें कि हमारी रग कहाँ जुटी हुई न हो।

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अपनी मन की वृत्ति बिल्कुल साफ है, बिल्कुल बाबा की भावना है, बाबा के प्रति ये संकल्प है कि जो बाबा हमसे सेवा कराये तो वो सेवा अपने आप ही होती रहती। और जो भी साधन की ज़रूरत होती वो भी हमें प्राप्त होता रहता। तो कहाँ पर भी हमारी रग न जाये।

ये तो मैंने साधनों की बात की परंतु कईयों को ये होता कि ये साथी हमारा होगा तो इस साथी के आधार से हमारी सेवा हो सकती। तो उसमें भी प्रैक्टिकल देखते हैं कि चाहे यज्ञ की स्थापना में बाबा और मम्मा, और फिर यज्ञ को आगे बढ़ाने में हमारी दादियां, और फिर दादियां भी अव्यक्त हो गईं। परंतु अभी भी सेवायें कोई कम नहीं हुई हैं। अभी जैसे-जैसे मैं जहाँ-जहाँ का समाचार सुनती हूँ और ही आगे बढ़ती जा रही है, तो इसका प्रूफ क्या है कि शिव बाबा का यज्ञ है, शिव बाबा का भण्डारा है। तो शिव बाबा ही करनकरावनहार, हाँ एग्ज़ाम्पल बाबा और मम्मा का सबसे पहले सामने रखा। परंतु बाबा ही सेवा कर रहा है और करा रहा है। तो हमें सेवा के लिए कोई कुछ आसक्ति हो, कहाँ पर रग जुटी हो, क्या होता है कि माया का बड़ा मीठा रूप होता, बहुत विचित्र रूप होता, हम समझते हैं कि हम ये सेवा के लिए सोच रहे हैं हम अपने लिए नहीं सोचते हैं। परंतु जब हम बाबा को कहते हैं बाबा ये साथी ज़रूर हमारे साथ हो तो सेवा होगी। परंतु रियलिटी तो ये होती कि मेरी आसक्ति है, मेरा कनेक्शन है, रग जुटी हुई है तो मैं बाबा को ये कह रही हूँ, लेकिन बाबा को जिसके द्वारा सेवा करानी है बहुत सिम्पल, बहुत साधारण, कोई भी हो, बाबा उन्हों के द्वारा अपनी सेवा बहुत सुन्दर ढंग से करायेंगे। अब तक कराते रहे हैं और लास्ट तक भी जो भी बाबा की प्रत्यक्षता होने वाली है, वो भी अवश्य ही बाबा अपने आप ही करायेंगे।

बाकी उस बीच में एक तो है हमारा भाग्य कि हम अपना भाग्य कितना तक बनाना चाहते हैं और दूसरा फिर है हमारे संस्कारों की परीक्षा, माया की भी परीक्षा नहीं है, माया तो हम नाम देते हैं जो चीज़ है ही नहीं उसको माया शब्द कह दिया। जो सत्यता नहीं है, रियलिटी नहीं है। तो इसमें है सिर्फ हमारे संस्कार परिवर्तन की परिक्षाएं। हमारे संस्कार अनुसार हम क्या सोच रहे हैं, क्या कर रहे हैं और क्या हम आगे बढ़ रहे हैं या कहां हम किस बात में अटक गये हैं। तो हम ये सदा चेकिंग करते रहें कि हमारी रग कहाँ जुटी हुई न हो। जितना रग जुटी हुई है कहाँ पर भी चाहे सूक्ष्म, चाहे स्थूल, चाहे मटेरियल, चाहे स्पिरिचुअल कुछ बात में भी, कहाँ पर भी हम अटक जाते हैं तो फिर वो लेन-देन का हिसाब-किताब और हम अपनी कर्मातीत अवस्था तक नहीं पहुंचते, हम उससे थोड़ा पीछे हट जाते। ये तो मैंने पहली मुख्य बात कही- बाबा के द्वारा प्राप्ति।

परंतु दूसरी भी बात आती जिससे सहज वैराग वृत्ति आ सकती। वो है कि हम ये याद रखें कि स्वर्ग की दुनिया हमारे सामने है और स्वर्ग में जाने के लिए मुझे किस प्रकार की तैयारी करनी है। बाबा बताते कि आपके संस्कारों द्वारा ही संसार बन रहा है। बाबा के कुछ-कुछ ऐसे शब्द होते जो बिल्कुल भूलते नहीं हैं। तो बाबा ने हमारे सामने जो दृश्य दिखाया है स्वर्ग का, तो वो संस्कार मेरे अन्दर आज किस प्रकार से मुझे वहाँ तक पहुंचा रहे हैं, कहाँ तक वो संसार बना रहे हैं वो देखना होता। और उससे भी फिर सहज-सहज वैराग वृत्ति होती जाती। क्यों? क्योंकि स्वर्ग की दुनिया का यदि हमको दरवाज़ा खोलना है तो पहले से ही अपने संस्कारों को स्वर्ग के योग्य बनाना होगा। बगीचा तो बन जाये परंतु बगीचे में एक भी बच्चा ऐसे कार्य करने वाला हो जो डिस्ट्रक्टिव हो। फूलों को तोड़ देवे, मिट्टी में खेलता रहे, तो वो जो स्वर्ग के फूलों का बगीचा है, तो एक भी ऐसा व्यक्ति होगा वो तो सारा बिगाड़ देगा। दस व्यक्तियों की ज़रूरत नहीं है। बगीचे को एक व्यक्ति भी सारा बिगाड़ सकता। और फिर साथ-साथ एक व्यक्ति ही उस बगीचे को बनाने के लिए अपनी मेहनत करके तैयार कर सकता। हमें स्वर्ग बनाना है अपने संस्कारों द्वारा। तो इतनी रॉयल्टी के संस्कार, इतने दातापन के संस्कार, इतने कल्याणकारी भावना के संस्कार वो कब बनेंगे, परमधाम में नहीं बनेंगे। परंतु यहाँ ही बनाने होंगे। तो फिर वो स्वर्ग की स्थापना का कार्य सम्पन्न होगा।

- क्रमशः

नगर-डीग(राज.)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपखंड अधिकारी अनुराग हरित, विकास अधिकारी बनवारी लाल, तहसीलदार अंकित गुप्ता, अधिशासी अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सियाराम गुर्जर, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार मीना, पुलिस उपनिरीक्षक घनश्याम सिंह, शारीरिक शिक्षक महेंद्र सिंह, योग शिक्षक कैलाश जांगिड आदि गणमान्य लोगों को ब्र.कु. हीरा बहन द्वारा ईश्वरीय साहित्य भेंट किया गया।

मीरगंज-गोपालगंज(बिहार)। तम्बाकू निषेध दिवस पर 'मेरा भारत, व्यसन मुक्त भारत' जागरुकता अभियान चलाने का संकल्प लेते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन एवं अन्य बहनें।

जयपुर-विद्यानगर(राज.)। दाना शिवम अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ को तनाव मुक्ति विषय पर सम्बोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में बनीपार्क सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. उमा बहन, ब्र.कु. कुणाल भाई, दाना शिवम हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार तथा नर्सिंग स्टाफ।

राँची-पतरातू(झारखंड)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सरोवर विहार में योगाभ्यास करते हुए ब्र.कु. निर्मला दीदी, अर्जुन ठाकुर,सुरक्षा अधिकारी, जगनारायण प्रसाद,निदेशक,इंस्टिट्यूट ऑफ सॉफ्ट स्किल, राहुल रविश,वरिष्ठ प्रबंधक,सरोवर विहार,गृजेश साव,मुखिया,पतरातू तथा अन्य भाई-बहनें।

मोहाली-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर केंद्र सरकार द्वारा सी-डीएसीसी कॉम्प्लेक्स, फेज़ 8 में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किये जाने पर बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनों सहित अन्य संगठनों के सैकड़ों प्रतिभागी शामिल हुए एवं सभी ने योगाभ्यास किया।

फाजिल्का-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में सभी भाई-बहनों को योगाभ्यास कराते हुए ब्र.कु. डॉली बहन।